3 नकली तेनालीराम

- परिचयात्मक प्रश्न : यदि अयोग्य व्यक्ति को कोई उत्तरदायित्व सौंपा जाए, तो क्या वह उसका सफलतापूर्वक निर्वाह कर पाएगा?
  यदि लालची व्यक्ति को धन की सुरक्षा का उत्तरदायित्व सौंप दिया जाए, तो क्या वह उसकी पूर्ण सुरक्षा कर पाएगा?
- प्रतिबिंब : बच्चों में संपूर्ण उत्तरदायित्व की भावना का विकास व उन्हें क्षुद्र लालच से परे रहने को प्रेरित करना।
- परिकल्पना : क्या आप जानते हैं कि देश में रिश्वतखोरी का चलन बढ़ गया है?
  किस प्रकार के लोग रिश्वत लेते हैं?
  ऐसे लोग देश व समाज को क्या हानि पहुँचाते हैं?

राजा कृष्णदेवराय अपने प्रमुख दरबारी तेनालीराम से बड़े प्रसन्न रहते थे। कारण स्पष्ट था कि तेनालीराम के पास प्रत्येक प्रश्न का उत्तर खोजने की चाबी रूपी मस्तिष्क जो था। राजा और राज्य की समस्याओं के समाधान तेनालीराम खेल-खेल में ही खोज देता था।

तेनालीराम से सभी दरबारी ईर्ष्या रखते थे। वे ऊपर से तो उसकी प्रशंसा करते, परंतु मन-ही-मन उसके विरुद्ध षड्यंत्र रचते, राजा को उसके विरुद्ध उकसाते। तो भी तेनालीराम उनके षड्यंत्रों के जाल को तार-तार कर राजा कृष्णदेवराय का कृपापात्र बना रहता।

परंतु आज राजा कृष्णदेवराय दरबार में उदास बैठे थे। किसी दरबारी में उनसे कुछ पूछने का साहस न हो रहा था। तेनालीराम अभी दरबार में नहीं पहुँच पाया था। राजा ने उसे बुलाने का हुक्म दिया।

Scanned by CamScanner

थोड़ी ही देर में तेनालीराम राजा के सामने विनम्र मुद्रा में उपस्थित हुआ। राजा ने तेनालीराम से कहा, "तेनालीराम, हमें विश्वस्त सूत्रों से ज्ञात हुआ है कि हमारे राज्य में प्रजा और अधिकारी भ्रष्ट होते जा रहे हैं। इसके परिणामस्वरूप रिश्वतखोरी ने देश में जाल फैला लिया है। तुम जाकर पता लगाओ कि यह सब कैसे हो रहा है और वे कौन लोग हैं।"

तेनालीराम ने विनम्रतापूर्वक उत्तर दिया, "महाराज, मैं तो छुट्टी पर जा रहा हूँ। कल ही आपने मेरे प्रार्थना-पत्र को स्वीकार करके मुझे पंद्रह दिनों का अवकाश प्रदान किया है।

यह सुनकर राजा ने कहा, "तुम्हारे जाने के बाद हम कैसे काम चलाएँगे? रिश्वतखोरों का तो हमें शीघ्रातिशीघ्र पता लगाना ही होगा।"

तेनालीराम ने कहा, "हुजूर, आप फिक्र न करें, मैं कल ही नकली तेनालीराम को भेज दूँगा।"

अगले दिन वास्तव में एक नकली तेनालीराम राजा के दरबार में उपस्थित हो गया। राजा ने उससे हँसकर कहा-"तुम शहर की सड़कें नापो और बताओ कि कौन-सी सड़क कितनी लंबी-चौड़ी है।"

नकली तेनालीराम ने लंबा फीता लिया और लगा शहर में घूमने। वह जहाँ भी सड़क नापता, लोग जमा हो जाते और पूछते कि क्या कर रहे हो।

लोगों के प्रश्न का तेनालीराम उत्तर देता, "सड़क चौड़ी होनी है। हो सकता है सड़क के चौड़ीकरण में तुम्हारे मकान गिराए जाएँ।"

यह सुनकर लोग घबरा उठते और उसे रिश्वत के रूप में रुपए देते और कहते, "ये रख लो और सड़क को इस प्रकार नापो कि हमारे मकान बच जाएँ।"

Scanned by CamScanner

इस प्रकार कुछ ही दिनों में नकली तेनालीराम ने बहुत सा-धन एकत्र कर लिया। जिन अधिकारियों व मंत्रियों को इस बात का पता चला, उन्होंने भी उससे अपना हिस्सा माँगा।

एक शाम असली तेनालीराम राजा के पास आया और बोला, "महाराज, कल दरबार जाने से पहले आप मेरे साथ चलिएगा।"

राजा की समझ में कुछ न आया परंतु उन्होंने 'हाँ' कर दी।

अगले दिन राजा ने तेनालीराम के साथ जाकर देखा, नकली तेनालीराम राज्य के अधिकारियों व मंत्रियों के साथ मिलकर रिश्वत से प्राप्त धन का बँटवारा कर रहा था।

राजा कृष्णदेवराय ने पूछा, "परंतु, तुम तो छुट्टी पर गए थे। तुम्हें यह सब कैसे पता लगा?"

"महाराज, इसलिए तो नकली तेनालीराम को भेजा था," तेनालीराम ने उत्तर दिया।

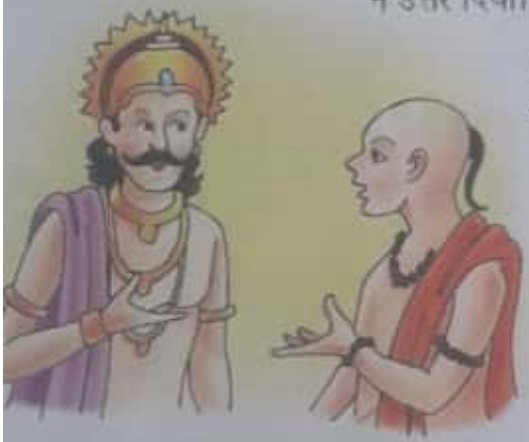

राजा और तेनालीराम को सामने पाकर सभी रिश्वतखोरों के चेहरे शर्म से लाल हो गए। तेनालीराम की सूझ-बूझ से यह सब संभव हो सका।

राजा ने कहा- "तेनालीराम, रिश्वतखोर देश और समाज को दीमकों की तरह चट करके नष्ट कर डालते हैं। ये देश और समाज की बड़ी हानि करते हैं। इनसे सदैव सावधान रहना चाहिए।"

शब्दार्थ

प्रमुख - मुख्य। **स्पष्ट** - साफ। **ईर्ष्या** - जलन का भाव। **प्रशंसा** - तारीफ। **विरुद्ध** - खिलाफ। **षड्यंत्र** - किसी के विरुद्ध योजना बनाना। **तार-तार करना** - नष्ट कर देना, विफल कर देना। **कृपापात्र** - किसी के हृदय में स्थान पाए हुए। **साहस** - हिम्मत। **हुक्म** - आदेश। **मुद्रा** - स्थिति। **उपस्थित** - हाजिर। **विश्वस्त** - जिन पर विश्वास किया जा सके। **भ्रष्ट** - बेईमान। जिनके चरित्र में दोष हो। **रिश्वतखोरी** - रिश्वत लेने की आदत। **अवकाश** - छुट्टी। **शीघ्रातिशीघ्र** - जितनी जल्दी हो सके।

Scanned by CamScanner

अभ्यास-कार्य

सही विकल्प के आगे ✓ लगाइए:

1. तेनालीराम कौन था?
   (अ) राजा ☐ (ब) राजा का प्रमुख दरबारी ☑ (स) एक सामान्य नागरिक ☐
2. तेनालीराम का कार्य क्या था?
   (अ) दरबार के कार्य करना ☐ (ब) राज्य के कार्य करना ☐ (स) राजा को सलाह देना ☑
3. सभी दरबारी तेनालीराम से-
   (अ) डरते थे। ☐ (ब) ईर्ष्या रखते थे। ☑ (स) प्रेम करते थे। ☐
4. तेनालीराम को कितने दिनों का अवकाश प्रदान किया गया था?
   (अ) दस दिनों का ☐ (ब) पंद्रह दिनों का ☑ (स) बीस दिनों का ☐
5. क्या तेनालीराम को अवकाश पर जाने दिया गया?
   (अ) हाँ ☑ (ब) नहीं ☐ (स) स्थगित कर दिया गया ☐

उपयुक्त शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए:

1. राजदरबारी तेनालीराम की प्रशंसा ऊपरी मन से करते थे।
2. आज राजा दरबार में उदास बैठे थे।
3. तेनालीराम राजा के सामने विनम्र मुद्रा में उपस्थित हुआ।
4. रिश्वतखोरी ने देश में जाल फैला दिया है।

वास्तव में/ऊपरी मन से
क्रोधित हुए/उदास
हास्यपूर्ण/विनम्र
शत्रुओं/रिश्वतखोरी

सही कथन के आगे ✓ तथा गलत के आगे ✗ लगाइए:

1. राजा को रिश्वतखोर लोगों की जानकारी थी। ✗
2. तेनालीराम रिश्वतखोरों से मिला हुआ था। ✗
3. नकली तेनालीराम ने सभी रिश्वतखोरों को पकड़वा दिया था। ✓
4. राजा को विश्वास था कि तेनालीराम रिश्वतखोरों का भंडाफोड़ करके रहेगा। ✓
5. राज्य के उच्चाधिकारी रिश्वतखोरी में लिप्त थे। ✓

निम्नलिखित शब्दों का शुद्ध उच्चारण कीजिए:

षड्यंत्र | विरुद्ध | कृष्णदेवराय | स्पष्ट | कृपापात्र | विनम्र | शीघ्रातिशीघ्र

Scanned by CamScanner

(ङ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

1. राजा कृष्णदेवराय क्यों उदास बैठे थे?
2. राजा कृष्णदेवराय तेनालीराम से क्यों प्रसन्न रहते थे?
3. नकली तेनालीराम को क्या कार्य सौंपा गया?
4. लोग नकली तेनालीराम को रिश्वत क्यों देते थे?
5. रिश्वतखोर किस प्रकार पकड़े गए?

हिंदी

Expt. No..... Page No..... Date .....

कक्षा - 3

पाठ - 3 नकली तेनालीराम

प्रश्न / उत्तर

उ॰1 राजा को विश्वस्त सूत्रों से ज्ञात हुआ था कि उनके राज्य में प्रजा और अधिकारी भ्रष्ट होते जा रहे हैं इसीलिए राजा उदास थे।

उ॰2 तेनालीराम के पास प्रत्येक प्रश्न का उत्तर खोजने के लिए चाबी रूपी मस्तिष्क था जो राज्य की समस्याओं का समाधान खेल-खेल में ही खोज देता था इसलिए राजा कृष्णदेवराय तेनालीराम से प्रसन्न रहते थे।

उ॰3 नकली तेनालीराम को शहर की सड़कें नापने का काम सौंपा गया।

उ॰4 लोग नकली तेनालीराम को रिश्वत इसलिए देते थे ताकि वो सड़क को इस प्रकार नापे कि उनका मकान बच जाएँ।

उ॰5 नकली तेनालीराम जब राज्य के भ्रष्ट अधिकारियों व मंत्रियों के साथ रिश्वत से प्राप्त धन का बँटवारा कर रहा था तभी असली तेनालीराम व राजा वहाँ पहुँच जाते हैं। इसप्रकार रिश्वतखोर पकड़े गए।

Scanned by CamScanner